नियमित निरीक्षण करने कलेक्टरों को थे निर्देश

नवभारत न्यूज

पन्ना, 30 जून। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग द्वारा 19 नवम्बर 2025 को एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया गया था जिसमें प्रदेश के समस्त जिले के कलेक्टरों से अपेक्षा की गई थी कि वे जिला चिकित्सालय एंव जिले के अन्य चिकित्सालयों का नियमित रूप से निरीक्षण करें। नियमित रूप से जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला पोषण समिति की बैठकें आयोजित करें।

सम्पूर्ण जिले में स्वास्थ्य संस्थायें बेहतर ढंग से संचालित हों एवं लोगों को सुविधायें मिलें। किन्तु इस आदेश का असर पन्ना जिले में दिखाई नहीं दे रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनकी पहुंच अभी तक सुनिश्चित नहीं हो पाई। जबकि ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्रों में कहीं सूचना मिलती है कि डॉक्टर पदस्थ हैं किन्तु दिखते नहीं, मरीजों को समय पर खाना नहीं मिलता, भर्ती मरीजों की देखरेख करने वाला स्टाफभी नदारत रहता है। ओपीडी समय पर नहीं खुलती। अस्पताल परिसरों में रात्रि में शराबखोरी होती है। अस्पतालों में मिलने वाली नि:शुल्क दवायें तक उपलब्ध नहीं होती।

विभिन्न माध्यमों से अस्पतालों के नाम पर खर्च होने वाली भारी भरकम राशि का सही उपयोग नहीं हो पाता। चूंकि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी स्वयं मानीटरिंग नहीं कर पाते। लिहाजा जिले के कलेक्टरों से हस्तक्षेप करने की अपेक्षा की गई थी ताकि स्वास्थ्य सुविधायें ठीक से संचालित हो सकें। किन्तु जारी आदेश का यहां कोई असर अभी तक नहीं दिखा।

आदेश में और क्या-क्या - जारी किये गये आदेश में कहा गया था कि स्वास्थ्य विभाग में क्षय उन्मूलन, सिकल सेल उन्मूलन, कुपोषण निवारण व उपचार, मातृ एवं शिशु सुरक्षा कार्यक्रम आदि कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम संचालित होते हैं। जिनकी समीक्षा की जाय एवं आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाये जांय। शासकीय संस्थाओं के सुचारू संचालन के लिये विभाग द्वारा समय-समय पर आवश्यक धनराशि उपलब्ध करवाई जाती है। इसके अलावा अन्य मदों आरकेएस, डीएमएफ ग्रामीण विकास विभाग, सीएसआर, एमएलए एवं एमपी फण्ड से भी राशि उपलब्ध करवाई जाती है।

इस तरह की राशि का सदुपयोग होना चाहिये। इसलिये जिलों के कलेक्टरों से अनुरोध किया गया था कि शासकीय चिकित्सालयों को भ्रमण अनिवार्य रूप से करें एवं होने वाली गतिविधियों का पर्यवेक्षण करें। किन्तु अभी तक ऐसा होता नहीं दिख रहा है। यह भी कहा गया था कि स्थानीय मीडिया में स्वास्थ्य विभाग से संबंधित समस्याओं एवं सूचनाओं के प्रकाशित होने पर स्वयं संज्ञान में लेते हुये आवश्यक कार्रवाई करें।

डॉक्टर उपस्थित नहीं तो अस्पताल की व्यवस्था चौपट

किसी स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ डॉक्टर यदि उपस्थित नहीं होते तो वहां मरीजों को जाने का क्या औचित्य है? किसी संस्था में यदि चार या छः डॉक्टर पदस्थ हैं जबकि उपस्थित होने वाले एक या दो ही होते हैं तो वहां मरीजों को कितना लाभ मिल सकता है। कितनी बेहतर चिकित्सा हो सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य व्यवस्था यदि बेहतर हो जाय तो जिला अस्पतालों में लगने वाली भीड़ को बहुत कुछ नियंत्रित किया जा सकता है। जहां आधे मरीज केवल पर्ची ही बनवाते रह जाते है और डॉक्टरों का समय पूरा हो जाता है। जहां डॉक्टर अपने सरकारी कार्य के समय पर निजी प्रैक्टिस करता हो, अपने घर में ही क्लीनिक चलाता हो, फोकट का वेतन लेता हो वहां फिर सरकारी पद रखने का क्या औचित्य है और वहां पदस्थ करने का क्या मतलब है? कुछ इसी तरह की स्थितियां ग्रामीण क्षेत्रों की हैं। जो विभाग के अधिकारियों के वश में दिखाई नहीं देती। किन्तु जब ऐसे मामलों में जिले का कलेक्टर हस्तक्षेप करता है तो उसका असर होता है।

सेफ क्लिक-2026 : पुलिस ने सिखाए साइबर सुरक्षा के गुर

नवभारत न्यूज

पन्ना, 30 जून। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा चलाए जा रहे राज्य स्तरीय साइबर सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान सेफक्लिक-2026 2.0 के सातवें दिन पन्ना जिले में बड़े पैमाने पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में जिले के सभी थाना क्षेत्रों के प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस ने मोर्चा संभाला और आमजन को साइबर ठगों से सावधान रहने का पाठ पढ़ाया।

नुक्कड़ नाटकों से किया सजीव मंचन, रैली निकालकर किया जागरूक - अभियान के तहत भीड़-भाड़ वाले इलाकों और मुख्य बाजारों में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा साइबर सुरक्षा रैली निकाली गई। इस दौरान कलाकारों और पुलिसकर्मियों ने नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से साइबर ठगी के पैंतरों का सजीव मंचन किया। नाटक के जरिए दिखाया गया कि कैसे साइबर अपराधी आम लोगों को अपने झांसे में लेकर उनकी गाढ़ी कमाई उड़ा लेते हैं और थोड़ी सी सतर्कता बरतकर इस नुकसान से कैसे बचा जा सकता है।

इन साइबर फ्रॉड के प्रति किया गया सचेत - बाजारों में मौजूद व्यापारियों, दुकानदारों, ग्राहकों और युवाओं से सीधा संवाद कर पुलिस ने आज के समय में होने वाले प्रमुख साइबर अपराधों की जानकारी दी जिनमें डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी, फर्जी बैंक अधिकारी और फर्जी नौकरी के ऑफर,सोशल मीडिया फ्रॉड और ऑनलाइन लोन के जाल, ओटीपी शेयरिंग और क्यूआर कोड स्कैम सहित स्क्रीन शेयरिंग ऐप्स, संदिग्ध लिंक्स और अज्ञात एपीके फाइलें है। किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर अपनी बैंकिंग जानकारी, ओटीपी, सीवीवी या यूपीआई पिन जैसी गोपनीय जानकारी कभी साझा न करें।

किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने या अज्ञात ऐप डाउनलोड करने से बचें।

राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क का मुआवजा पाने के लिए दर -दर भटक रहा है किसान

नवभारत न्यूज

सलेहा, 30 जून। तहसील गुनौर अंतर्गत सलेहा समीपस्थ ग्राम कटरा से राष्ट्रीय राजमार्ग 943 सड़क निर्माण के मुआवजा को लेकर बाबूलाल कुशवाहा एवं मीरा कुशवाहा निवासी कटरा द्वारा ने प्रशासन पर आरोप लगाया की आराजी खसरा क्रमांक 948 रकवा 0.116 हेक्टर भूमि, आराजी खसरा क्रमांक 648 रकवा 0.013 हेक्टर भूमि राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 943 पटना तमोली बाईपास मार्ग का निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिसमें शासन द्वारा 0.116 हेक्टर भूमि का मुआवजा राशि 169221 रुपए ,0.013 हेक्टर भूमि का मुआवजा 18964 रूपए स्वीकृत किए गए हैं।

इसी क्रम में आराजी खसरा क्रमांक 747 रकवा क्रमांक 0.094 हेक्टर भूमि में की मुआवजा राशि 751285 रूपए स्वीकृत किए गए हैं। आवेदक द्वारा राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं भू-अर्जन अधिकारियों पर आरोप लगाया की मेरी भूमि पर जहां पर 0.116 हेक्टर भूमि का मुआवजा मुझे 169221 रुपए स्वीकृत किया गया वहीं दूसरी ओर उससे कम रकवा का 0.094 हेक्टर भूमि का मुआवजा 751285 स्वीकृत किया गया है। यह विसंगति पूर्ण मुआवजा राशि किस नियम के तहत प्रशासन द्वारा की स्वीकृति किया गया है, प्रशासन द्वारा जहां पर कम अधिग्रहित भूमि का मुआवजा अधिक बनाया गया, और अधिक अधिग्रहित भूमि का बहुत कम मुआवजा बनाया गया है। इस संबंध की शिकायत आवेदक द्वारा भू अर्जन पन्ना एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों सहित जिला कलेक्टर पन्ना से की गई, लेकिन विगत 1 साल से प्रशासन द्वारा किसी तरह का निराकरण नहीं किया गया और न की यह स्पष्ट किया गया की किस नियम के तहत मुआवजा राशि स्वीकृत की गई है। एक और किसान की भूमि प्रशासन ने छीन ली। साथ ही उक्त भूमि का विसंगति पूर्ण मुआवजा बनाकर किसान की भूमि पर ठेकेदार द्वारा सड़क बना दी गई।

किसान प्रशासन की चौखट पर अपनी भूमिका के मुआवजा के लिए दर-दर भटक रहा है। जिला प्रशासन एवं भू अर्जन विभाग को चाहिए कि उक्त किसान की भूमि संबंधी समस्त समस्याओं का उचित निराकरण कर उक्त कृषक को संतोषजनक मुआवजा दिया जाये।

जल गंगा संवर्धन अभियान का गरिमामय समापन समारोह आयोजित

नवभारत न्यूज

पन्ना, 30 जून। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशानुसार इस वर्ष तृतीय जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से 30 जून की अवधि में संचालित किया जाना था।

अभियान में समाज की भागीदारी और विभिन्न सहभागी विभागों की समेकित पहल से मुख्यत: जनजागरूकता, नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण, भू जल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ-सफाई एवं मरम्मत तथा नवीनीकरण, जल गुणवत्ता परीक्षण, जल स्त्रोतों में प्रदूषण के स्तर को कम करने, जल स्त्रोतों व जल वितरण प्रणालियों की साफ-सफाई, राजस्व रिकार्ड में जल संग्रहण संरचनाओं तथा नहरों को अंकित करने सहित अन्य कार्य संपादित किए गए।

इस संबंध में पन्ना विकासखण्ड अंतर्गत जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत मनकी के ग्राम अमझिरिया के प्राचीन तालाब में जल अर्पण कर अभियान का समापन कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर उषा परमार ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में किए गए विभिन्न कार्यों की जानकारी दी।

उन्होंने विशेष रूप से महाराज सागर तालाब में संचालित विकास एवं पुनर्जीवन कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि जनसहयोग, श्रमदान एवं जनआंदोलन के माध्यम से जिले की अनेक प्राचीन जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, स्वच्छता एवं संरक्षण का कार्य प्रभावी रूप से किया गया है। साथ ही जल संरक्षण एवं जल स्त्रोतों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित विभिन्न गतिविधियों की भी विस्तार से जानकारी दी। स्वसहायता समूह की महिलाओं द्वारा कैफेटेरिया तथा ग्राम पंचायत द्वारा पर्यटन सुविधाओं के संचालन की पहल की सराहना भी की।

उन्होंने कहा कि पर्यटन के दृष्टिगत पन्ना जिले में अपार संभावनाएं हैं। इससें स्थानीय स्तर पर रोजगार के साथ आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ, जनपद पंचायत पन्ना सीईओ जयशंकर तिवारी, ज्ञानेन्द्र तिवारी, मुकेश सेंगर एवं जल मित्र सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कुएं में गिरे सियार का किया सफल रेस्क्यू, सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ा गया

नवभारत न्यूज

पन्ना, 30 जून। दक्षिण पन्ना वनमंडल के पवई वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम जगदीशपुरा में आज एक सियार के खुले कुएं में गिर जाने की सूचना प्राप्त हुई।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जाल की सहायता से सावधानीपूर्वक रेस्क्यू अभियान चलाकर सियार को सुरक्षित बाहर निकाला। प्राथमिक निरीक्षण में उसके स्वस्थ पाए जाने पर उसे सुरक्षित प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया। रेस्क्यू अभियान में परिक्षेत्र सहायक पुष्पेंद्र सिंह चौपरा, तथा सुरक्षा श्रमिकों की सराहनीय भूमिका रही।

जल गंगा संवर्धन अभियान का किया गया समापन

नवभारत न्यूज

अजयगढ़, 30 जून। नगर परिषद अजयगढ़ के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल स्त्रोतों को संरक्षित करने हेतु नगर के सार्वजनिक कूपों, रामबाग का चौपड़ा, तलैया की साफ़ सफ़ाई का कार्य जनभागीदारी के तहत कराया गया तथा हजूरी तालाब एवं रेस्ट हाउस के बाजू स्थित बावड़ी का जीर्णोद्धार का कार्य प्रारम्भ कराया गया।

सीएमओ द्वारा बताया गया कि नगर में वृहद वृक्षारोपण किया गया जो निरन्तर जारी रहेगा। उक्त कार्यक्रम में नगर के बुद्धिजीवी, जन अभियान परिषद के सदस्य सहित भाजपा जिला उपाध्यक्ष शैलेन्द्र श्रीवास्तव, नगर परिषद के उपाध्यक्ष राज कुमार खटीक, नारायण दास रजक पार्षद, गोविंद प्रसाद कुशवाहा पार्षद, अजय कुमार मिश्रा पार्षद, मोहम्मद साबिर नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी संजय वाल्मीकि, उपयंत्री विक्रम बागरी, बृजेन्द्र तिवारी, संजय जैन, गोपाल आदि मौजूद रहे।

हर सरकारी विभाग में बैठी दागी और भ्रष्टाचारियों की जमात

नवभारत न्यूज

पन्ना, 30 जून। सरकारी विभागों में यहां एक से बढ़कर एक कलाकार अफसर व कर्मचारी पदस्थ हैं। किसी के खिलाफ रिश्वत लेने की जांच चल रही है तो किसी के खिलाफ जांच पूरी हो चुकी है किन्तु कार्रवाई नहीं हो रही है।

कहीं कनिष्ठ पद में बैठा अधिकारी वरिष्ठ पद का प्रभार लेकर बैठा हुआ है और शासन की योजनाओं को प्रभावित कर रहा है। कहीं तबादले के बाद भी कोई स्थगन लेकर बैठा हुआ है तो कोई तबादला आदेश के बाद भी नवीन स्थान में आज तक आमद नहीं दे पाया। कोई लोकायुत में ट्रेप हो चुका है और कोई आडियो वीडियों वायरल होने के बाद दण्डित किया जा चुका है। शिक्षा विभाग, राजस्व विभाग, ग्रामीण विकास विभाग सहित शासन के कई विभागों में दागी और भ्रष्टाचारियों की भरमार है। किन्तु कार्रवाई के नाम पर फाईलें धूल खा रही हैं।

व्यवस्था को सुधारना चुनौती

यह भी सही है कि सिस्टम को सुधारने के लिये कई प्रयास होते हैं। उच्च स्तर से निर्देश होते हैं, सरकार की मंशा रहती है कि जनता को योजनाओं का लाभ मिले। जनता की शिकवा शिकायतें कम हों और व्यवस्था में सुधार हो। यही कारण है कि लोक हित में सीएम हेल्प लाईन से लेकर कई तरह की सुविधायें प्रदान की जाती हैं। किन्तु सिस्टम को खराब करने वाले भी वही लोग होते हैं जो व्यवस्था के संवाहक होते है। उन्हें अपने पदीय दायित्वों का न तो भान होता और न ही किसी भी बात का डर। वेशर्मी के साथ जब उनका उद्येय लूट करना हो जाता है तो वे वेशर्मी के साथ करते चले जाते हैं और सिस्टम में एक गिरोह की तरह लाबी तैयार हो जाती है। इसलिये सवाल पैदा होता है कि या कभी सिस्टम में सुधार हो पायेगा?

नाले पर अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

अजयगढ़, 30 जून। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के जिलाध्यक्ष आकाश जाटव ने वार्ड क्रमांक 07, बगराजन रोड, रंगयाना मोहल्ला स्थित प्रमुख नाले पर हुए अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण को हटाने की मांग को लेकर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि लगभग 7 मीटर चौड़े प्राकृतिक नाले पर अतिक्रमण कर अवैध निर्माण कर दिए गए हैं, जिससे इसकी चौड़ाई घटकर लगभग 5 फीट रह गई है। यह नाला अजयगढ़ नगर का प्रमुख जल निकासी मार्ग है, जिससे खोय तालाब एवं वर्षा का पानी गुजरता है। नाले के संकरा होने के कारण बरसात में जलभराव, मकानों में पानी घुसने तथा जन-धन की हानि का खतरा बना हुआ है।

क्षेत्र के रहवासी लंबे समय से इस समस्या से परेशान हैं। प्रशासन से मांग है कि राजस्व अभिलेखों के अनुसार नाले का सीमांकन कराकर तत्काल अतिक्रमण हटाया जाए, अवैध निर्माणों पर कार्रवाई की जाए तथा भविष्य में दोबारा अतिक्रमण न हो, इसके लिए स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। यदि समय रहते अतिक्रमण नहीं हटाया गया और बरसात के दौरान कोई अप्रिय घटना होती है, तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित प्रशासन की होगी।

सृष्टि मिश्रा को न्याय दिलाने की मांग को लेकर पवई में निकाला कैंडल मार्च

नवभारत न्यूज

पवई/ पन्ना 30 जून। नगर में सोमवार शाम सृष्टि मिश्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के विरोध में लोगों ने कैंडल मार्च निकालकर न्याय की मांग की। हाथों में मोमबत्तियां और तख्तियां लिए बड़ी संख्या में नागरिकों ने नगर के प्रमुख मार्गों से होकर शांतिपूर्ण मार्च निकाला।

प्रदर्शनकारियों ने ष्सृष्टि मिश्रा को न्याय दोष् और ष्दोषियों को फांसी दोष् जैसे नारे लगाए। इस दौरान लोगों ने कहा कि मामले की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कर दोषियों के खिलाफकड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएए ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। कैंडल मार्च में सामाजिक संगठनोंए युवाओं और नगर के गणमान्य नागरिकों ने भी भाग लिया। सभी ने एक स्वर में घटना की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि दोषियों को कठोर सजा मिलनी चाहिएए जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। मार्च का समापन श्रद्धांजलि सभा के साथ हुआए जहां सृष्टि मिश्रा की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। आयोजन के दौरान पूरा माहौल शांतिपूर्ण रहा और लोगों ने न्याय की मांग को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया।

मां की हत्या करने वाले बेटे को आजीवन कारावास

नवभारत न्यूज

पन्ना, 30 जून। घरेलू विवाद में अपनी सगी मां पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर उसे मौत के घाट उतारने वाले आरोपी बेटे को न्यायालय ने उम्रकैद की सजा सुनाई है।

पन्ना के प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र मेश्राम की अदालत ने आरोपी पुन्ना उर्फपुनउवा को दोषी करार देते हुए धारा 302 के तहत आजीवन कारावास और 5000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। कार्यालय जिला लोक अभियोजन संचालनालय पन्ना के सहायक मीडिया प्रभारी रोहित गुप्ता से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह पूरी घटना 30 मार्च 2024 की सुबह करीब 8:30 बजे ग्राम जरधोवा की है। घटना के वक्त फरियादी रामप्रकाश आदिवासी अपने घर में खाना खा रहा था, जबकि उसकी पत्नी सुखिया और मां बखतिया बाई दुगई में बैठी हुई थीं। इसी दौरान आरोपी पुन्ना वहां पहुंचा और अपनी मां बखतिया बाई से खाना मांगने लगा। इस पर मां ने उसे टोकते हुए कहा कि तुम कोई काम-धंधा नहीं करते हो और सुबह से खाना मांगने आ गए, अभी खाना नहीं बना है। मां की इतनी सी बात सुनते ही पुन्ना आगबबूला हो गया और उसने गुस्से में आकर पास ही रखी कुल्हाड़ी उठाई और अपनी मां के सिर पर दे मारी। कुल्हाड़ी का वार इतना जोरदार था कि बखतिया बाई के सिर पर गंभीर चोट आई और वह वहीं बेहोश होकर गिर पड़ी। आनन-फानन में फरियादी ने 108 एम्बुलेंस को कॉल किया और घायल मां को इलाज के लिए पन्ना अस्पताल ले गए, जहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें रीवा अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। रीवा में इलाज के दौरान आखिरकार बखतिया बाई ने दम तोड़ दिया। इसके बाद थाना कोतवाली पन्ना में आरोपी के खिलाफहत्या का मामला दर्ज कर पुलिस ने न्यायालय के समक्ष पेश किया। न्यायालय ने पटल पर आए साक्ष्यों, गवाहों के बयानों और अभियोजन के तर्कों से पूरी तरह संतुष्ट होते हुए कुलयुगी बेटे पुन्ना को हत्या का दोषी पाया और उसे आजीवन कारावास के साथ ही जुर्माने की सजा से दंडित किया।

बसों की टपकती छतें, टूटी सीटें आरटीओ आखिर देख क्या रहे हैं?

पन्ना, 30 जून। विंध्य और बुंदेलखंड को जोड़ने वाले रीवा-सतना-पन्ना-छतरपुर मार्ग पर संचालित अनेक यात्री बसों की स्थिति परिवहन व्यवस्था की गंभीर विफलता का उदाहरण बन चुकी है। बसों में टपकती छतें, टूटे कांच, जर्जर सीटें, गायब आपातकालीन निकास, अग्निशामक यंत्रों और प्राथमिक उपचार किट का अभाव आम बात हो चुकी है। सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जब ये खामियां प्रतिदिन हजारों यात्रियों को स्पष्ट दिखाई देती हैं, तो संबंधित आरटीओ और पुलिस विभाग को क्यों दिखाई नहीं देतीं? बरसात में बसों की छतों से पानी टपकता है, गर्मी में टूटी खिड़कियों से धूल और लू सीधे यात्रियों तक पहुंचती हैं। जबकि सर्दी में ठंडी हवाएं पूरी यात्रा ो कष्टदायक बना देती हैं। कई बसों की सीटें वर्षों से टूटी पड़ी हैं। कुछ बसों में निर्धारित क्षमता से अधिक सीटें लगाकर यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा दोनों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

मध्याह्न भोजन बनाने वाले रसोइयों के बीच हुई प्रतियोगिता

नवभारत न्यूज

पवई 30 जून। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजनान्तर्गत शासकीय स्कूलों मे अध्ययनरत छात्र छात्राओं को बेहतर पोषण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रसोईयोध्माताओ का कुकिंग कम्पटीशन का आयोजन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पवई द्वारा किया गया है।

प्रतियोगिता मे विकासखंड के विभिन्न स्कूलोंध्ग्रामो के रसोईयोध्माताओ को भाग लेने हेतु विकासखंड स्रोत समन्वयक पवई और विकासखंड मिशन प्रबंधक आजीविका मिशन द्वारा अपने अपने माध्यमो से प्रचार प्रसार किया गया इस कार्यक्रम मे मे 32 प्रतिभागियों द्वारा अपने बनाये हुए व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया।खाने की गुणवत्ता का निरिक्षण और मूल्यांकन गठित समिति द्वारा किया गया। शामिल प्रतिभागियों मे से बेस्ट कुक के चयन के प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ सांत्वना श्रेणी मे ग्रेडिंग की गयी। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि मोहिनी आनंद मिश्रा अध्यक्ष जनपद पंचायत पवई उपस्थित रही। साथ पार्षद देवी खटीक और कृष्णा मिश्रा कमलेश तिवारी जनपद सदस्य एवं भागचंद चौरसिया जनपद सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन लोकनाथ बागरी बीपीओ, राजेश पटेल बीआरसीसी, दिनकर गर्ग प्रबंधक आजीविका मिशन, अंकित बागरी एडिईओ और विपिन बागरी एडिईओ द्वारा किया गया।

कार्यानुमति के नाम पर चलता है शिक्षा विभाग में पदस्थापना का खेल

नवभारत न्यूज

पन्ना, 30 जून। जिन शिक्षकों को स्कूलों में शिक्षण कार्य करना चाहिये उन्हें सुनियोजित तरीके से स्कूलों से हटाकर गैर शिक्षकीय कार्य में लगाया जा रहा है। शिक्षा विभाग एवं जिला शिक्षा केन्द्र के बीच कुछ इसी तरह का खेल चल रहा है जहां कुछ शिक्षकों को हाल ही कार्यानुमति के नाम पर गैर शिक्षकीय कार्य में लगाया गया है। इस तरह के आदेशो को जारी करने में जिला शिक्षा केन्द्र पन्ना की बड़ी भूमिका रही।

कार्यानुमति के शार्टकट में कई ऐसे शिक्षक भी पदस्थ कर दिये गये जो परीक्षा में ही नहीं बैठे और जिनकी पदस्थापना ही नहीं होनी चाहिये। जबकि जिनका चयन परीक्षा के माध्यम से किया गया था उनमें कई आज भी पदस्थापना से वंचित हैं।

इसी तरह हुई पदस्थापना:- कार्यानुमति के आधार पर जिले में कई शिक्षकों की पदस्थापना पूर्व में की गई है। किन्तु बाद में न तो उन्हें वापस लौटाया गया और न ही आज तक कार्यानुमति ही प्राप्त की गई। यह भी देखा जाता है कि जहां किसी को हटाना होता है उसके खिलाफ भी आरोप तैयार कर लिये जाते हैं। यहां सवाल यह है कि जिस शिक्षक की पदस्थापना समग्र शिक्षा में की जाती है तो कारण यह बताया जाता है कि समग्र शिक्षा का कार्य प्रभावित न हो सुचारू रूप से संचालन होता रहे इसलिये कार्यानुमति प्रदान की जा रही है। वहीं दूसरी ओर जिस स्कूल के शिक्षक को सत्र के बीच में वहां से हटाया जाता है तो क्या वहां का शिक्षण कार्य प्रभावित नहीं होता होगा? यहां सवाल यह है कि जिस शिक्षक की पदस्थापना समग्र शिक्षा में की जाती है तो कारण यह बताया जाता है कि समग्र शिक्षा का कार्य प्रभावित न हो सुचारू रूप से संचालन होता रहे इसलिये कार्यानुमति प्रदान की जा रही है।

इस विषय पर सक्षम अधिकारी भी शायद संज्ञान नहीं लेते क्योंकि स्कूलों में पदस्थ कुछ ऐसे शिक्षक भी होते हैं जो शिक्षण कार्य न करके इस जुगाड़ में रहते हैं कि कोई ऐसा पद मिल जाय जहां उन्हें मलाई खाने का मौका मिल सके। किन्तु ऐसे मामलों में विभागीय अधिकारियों व आदेश जारी करने वाले सक्षम अधिकारियों को यह सब देखना चाहिये कि कार्यानुमति के नाम पर पद का दुरूपयोग नहीं होना चाहिये। इसीलिये समय-समय पर राज्य शिक्षा केन्द्र पदस्थापना को लेकर दिशा निर्देश जारी करता रहता है।

विभागीय परीक्षाओं से होने वाली पदस्थापना में अवैधानिक आदेश

समग्र शिक्षा अभियान में एपीसी, डीपीसी, बीआरसीसी, बीएसी आदि पदों की नियुक्ति के लिये एक निर्धारित प्रक्रिया है। इसके लिये राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा रिक्त पदों के लिये आवेदन लिये जाते हैं और परीक्षाओं के आधार मैरिट के अनुसार पात्र शिक्षकों का चयन किया जाता है। किन्तु वर्तमान समय पर ऐसा नही हो रहा है। अब यहां पर बैकडोर से मैनेजमेन्ट के आधार पर चुनिन्दा शिक्षकों को पदस्थ किया गया। इस तरह से जिलाप शिक्षा केन्द्र के माध्यम से कितने अपात्र शिक्षकों की पदस्थापना कार्यानुमति के आधार पर कर दी गई यह जांच का विषय है।

अतिक्रमण रोकने किया खंती निर्माण एवं बीज बुआई

नवभारत न्यूज

पन्ना, 30 जून। दक्षिण पन्ना वनमंडल के पवई वन परिक्षेत्र अंतर्गत शाहपुर बीट के कक्ष पी 674 में लगभग 2.5 हेक्टेयर वन भूमि पर अतिक्रमण के प्रयास को विफल करने के उपरांत वन विभाग द्वारा स्थायी संरक्षण की दिशा में प्रभावी कार्रवाई की गई।

अतिक्रमण की पुनरावृत्ति रोकने के उद्देश्य से स्थल पर अतिक्रमण रोधी खंती का निर्माण कराया गया तथा उसकी मेड़ों पर बीज बुआई भी की गई, जिससे क्षेत्र का संरक्षण एवं हरित आवरण सुदृढ़ हो सके। इस कार्रवाई में परिक्षेत्र सहायक भारती कुमार, वनरक्षक दयाराम वर्मा, सचेंद्र मोहन, तथा सुरक्षा श्रमिकों की सक्रिय सहभागिता रही। वन विभाग द्वारा वन भूमि की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए ऐसे अभियान निरंतर जारी हैं।